**भारत सरकार**
**पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय**
**भारत मौसम विज्ञान विभाग**

**प्रेस विज्ञप्ति**

**तारीखः 30 सितम्बर, 2025**

**जारी करने का समय: 1315 घंटे**

**विषय: (i) कच्छ की खाड़ी और आसपास के क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव में, 30 सितंबर से 2 अक्टूबर के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ के तटीय क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।**

**(ii) 2-4 अक्टूबर, 2025 के दौरान पूर्वी भारत में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा के साथ वर्षा गतिविधि में वृद्धि होने की संभावना है।**

**(iii) उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में रात का तापमान सामान्य से 3-5°C अधिक है और 4 अक्टूबर तक सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।**

**पिछले 24 घंटों में 30 सितम्बर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:**

- निकोबार द्वीप समूह, तटीय आंध्र प्रदेश और राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

**दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी:**

- दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा 20°N/69°E, वेरावल, भरूच, उज्जैन, झांसी, शाहजहांपुर और 30°N/81°E से होकर गुजर रही है। **(अनुलग्नक II)**

**मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक III और IV देखें):**

- सौराष्ट्र और उससे सटे कच्छ पर कल का सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र अब आज, 30 सितंबर 2025 को 0830 बजे IST पर कच्छ की खाड़ी और उसके आसपास के क्षेत्रों में स्थित है। अगले 12 घंटों के दौरान इसके कच्छ और उसके आसपास के क्षेत्रों में उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और उसके बाद उत्तरी गुजरात तट से उत्तर-पूर्व अरब सागर में उभरने की संभावना है। उत्तर-पूर्व अरब सागर में उभरने के समय के आसपास इसके एक अवदाब में तीव्र होने और उसके बाद पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर उत्तर-पश्चिम अरब सागर की ओर बढ़ने की संभावना है।
- कच्छ की खाड़ी और उसके आसपास के क्षेत्रों पर सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र से जुड़े उपरोक्त चक्रवाती परिसंचरण से एक द्रोणिका रेखा निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर मध्य प्रदेश के मध्य भागों से होते हुए दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश तक जाती है।
- कच्छ की खाड़ी और उसके आसपास के क्षेत्रों पर सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण से एक द्रोणिका निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पश्चिम राजस्थान तक जाती है।
- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी आंध्र प्रदेश तट से दूर पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर बना हुआ है जो ऊँचाई के साथ दक्षिण की ओर झुक रहा है।

- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण आज, 30 सितंबर, 2025 को उत्तरी अंडमान सागर में उभरने की संभावना है। इसके प्रभाव में 01 अक्टूबर 2025 के आसपास बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके पश्चिम से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 2 अक्टूबर के आसपास पश्चिम मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक अवदाब में तीव्र होने की संभावना है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ना जारी रखने और 3 अक्टूबर की सुबह के आसपास दक्षिण ओडिशा-उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों को पार करने की संभावना है।
- ❖ एक नया पश्चिमी विक्षोभ 04 अक्टूबर 2025 से उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

**पश्चिम भारत:**

- 30 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सौराष्ट्र और कच्छ में; 3 और 4 अक्टूबर को कोंकण और गोवा में; 4 अक्टूबर को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के घाट क्षेत्रों में भारी बारिश के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान की संभावना है।

**पूर्व और मध्य भारत:**

- 30 सितंबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 2 से 5 अक्टूबर तक उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 2 से 4 अक्टूबर तक गंगा तटीय पश्चिम बंगाल, झारखंड में; 2 से 6 अक्टूबर तक बिहार में; 4 और 5 अक्टूबर को मध्य प्रदेश में; 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक छत्तीसगढ़, ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। ओडिशा में 2 अक्टूबर को; गंगा तटीय पश्चिम बंगाल में 2 और 3 अक्टूबर को; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 3 और 4 अक्टूबर को; बिहार में 3 से 5 अक्टूबर तक बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 3 दिनों तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; अगले 7 दिनों तक बिहार में (30-40 किमी/घंटा की गति); अगले 5 दिनों तक पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा में (40-50 किमी/घंटा की गति) के साथ तूफान और तेज हवाएं बहुत संभावित है।

**उत्तर-पूर्व भारत:**

- अगले 4-5 दिनों तक क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना; 3 अक्टूबर को असम और मेघालय में बहुत भारी बारिश की संभावना है।

**दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:**

- 30 सितंबर से 2 अक्टूबर तक तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 30 सितंबर को रायलसीमा, उत्तरी तमिलनाडु में; 3 से 5 अक्टूबर तक तेलंगाना में और 3 और 4 अक्टूबर को तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश के साथ हल्की से मध्यम बारिश/तूफान की संभावना है।
- 30 सितंबर को तमिलनाडु में; 30 सितंबर से 4 अक्टूबर तक तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना में तेज सतही हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति) बहुत संभावित है।

**उत्तर-पश्चिम भारत:**

- 30 सितंबर को राजस्थान में; 4 और 5 अक्टूबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 6 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश के साथ हल्की से मध्यम बारिश/तूफान की संभावना है।
- 30 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 4 से 6 अक्टूबर तक जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में; 30 सितंबर, 5 और 6 अक्टूबर को उत्तराखंड में; 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बिजली के साथ तूफान बहुत संभावित है।

**मछुआरों के लिए चेतावनी:** मछुआरों को 30 सितंबर से 5 अक्टूबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

**अरब सागर:** 30 सितंबर से 5 अक्टूबर के दौरान गुजरात तट; 30 सितंबर से 2 अक्टूबर के दौरान उत्तर-पूर्व और उससे सटे पूर्व-मध्य अरब सागर के कई हिस्से; 2 से 5 अक्टूबर के दौरान संपूर्ण उत्तर-पूर्व अरब सागर और उससे सटे, उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कई हिस्से; 30 सितंबर से 5 अक्टूबर के दौरान सोमालिया तट और उसके आसपास के समुद्री क्षेत्र में न जाएं।

**बंगाल की खाड़ी:** 30 सितंबर को तमिलनाडु तट, 30 सितंबर से 5 अक्टूबर के दौरान आंध्र प्रदेश तट, 30 सितंबर से 2 अक्टूबर तक श्रीलंका तट, 30 सितंबर से 4 अक्टूबर के दौरान मन्नार की खाड़ी और उससे सटा कोमोरिन क्षेत्र; और 30 सितंबर से 2 अक्टूबर के दौरान बंगाल के दक्षिण के अधिकांश हिस्सों में; 30 सितंबर से 4 अक्टूबर के दौरान मध्य बंगाल की खाड़ी; 01 अक्टूबर से 5 अक्टूबर के दौरान उत्तरी बंगाल की खाड़ी; 04 अक्टूबर को पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्से; 01 से 05 अक्टूबर के दौरान ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश के तटों के साथ-साथ, 01 से 04 अक्टूबर के दौरान म्यांमार तट; 30 सितंबर से 03 अक्टूबर के दौरान अंडमान सागर में न जाएं।

**ii. 30 सितम्बर से 03 अक्टूबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)**

**अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:**

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

**जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें:** https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

**अनुलग्नक I**

**वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):**

- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह:** आईएएफ़ कार्निकोबार (जिला निकोबार) 11; कार निकोबार (जिला निकोबार) 9;
- **पश्चिमी राजस्थान**: नावा (जिला नागौर) 10;
- **पूर्वी राजस्थान**: नवलगढ़ (जिला झुंझुनू) 9;
- **तटीय आंध्र प्रदेश और यानम**: सीतानगरम (जिला पार्वतीपुरम मान्यम) 8.

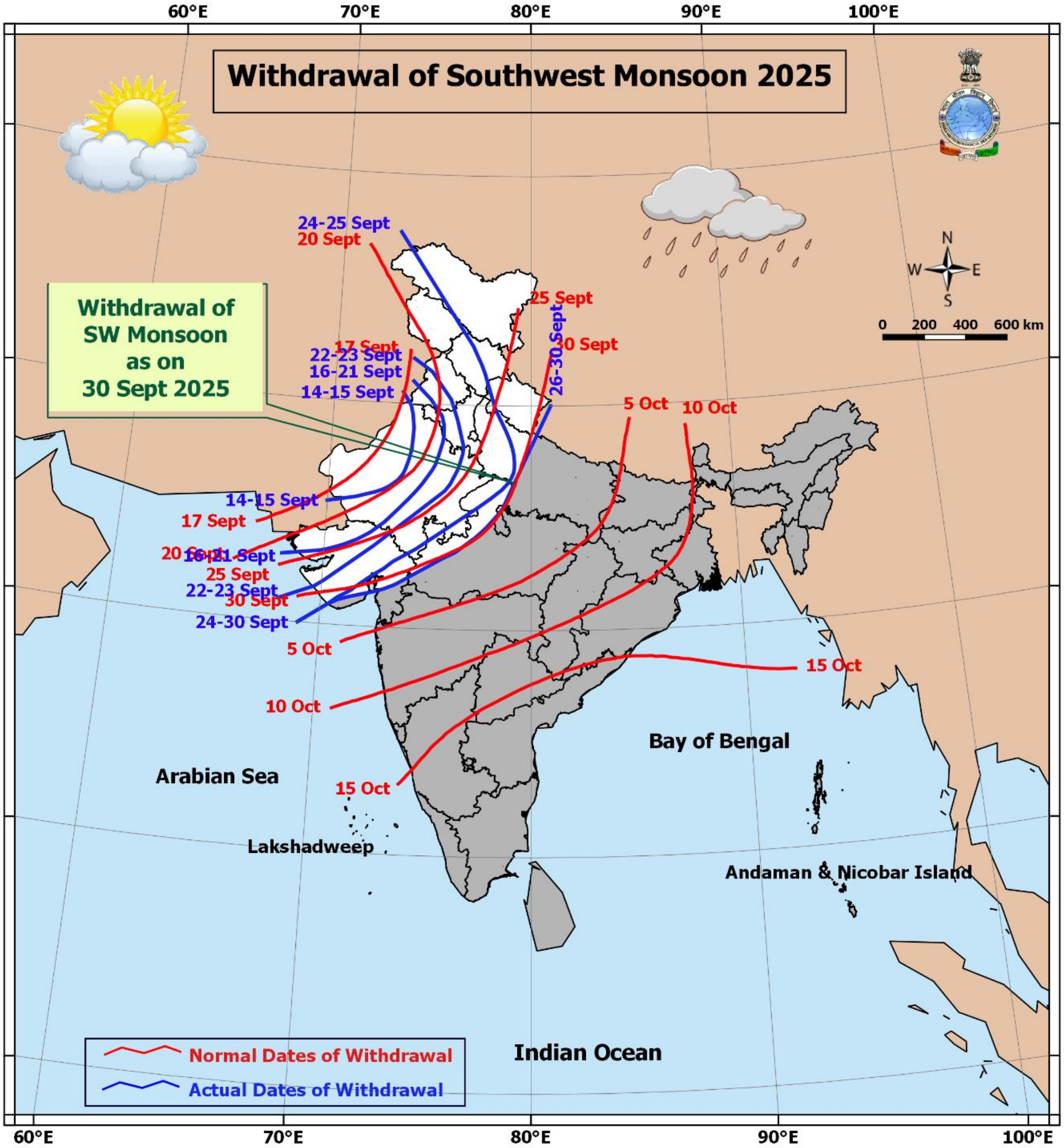
Withdrawal of Southwest Monsoon 2025
Withdrawal of SW Monsoon as on 30 Sept 2025
24-25 Sept
20 Sept
25 Sept
26-30 Sept
30 Sept
17 Sept
22-23 Sept
16-21 Sept
14-15 Sept
5 Oct
10 Oct
14-15 Sept
17 Sept
20 Sept
16-21 Sept
25 Sept
22-23 Sept
30 Sept
24-30 Sept
5 Oct
15 Oct
10 Oct
15 Oct
Bay of Bengal
Arabian Sea
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
Normal Dates of Withdrawal
Actual Dates of Withdrawal
N
W
E
S
0 200 400 600 km
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°

| Table-1 | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **7 Days Rainfall Forecast** | | | | | | | | |
| **S.No.** | **Subdivision** | **30- Sep** | **1- Oct** | **2- Oct** | **3- Oct** | **4- Oct** | **5- Oct** | **6- Oct** |
| | | **Day 1** | **Day 2** | **Day 3** | **Day 4** | **Day 5** | **Day 6** | **Day 7** |
| 1 | ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS | WS | WS | FWS | FWS | SCT | SCT | SCT |
| 2 | ARUNACHAL PRADESH | SCT | FWS | FWS | FWS | FWS | SCT | SCT |
| 3 | ASSAM & MEHGHALAYA | SCT | FWS | FWS | FWS | FWS | SCT | ISOL |
| 4 | NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA | FWS | FWS | FWS | FWS | SCT | SCT | SCT |
| 5 | SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM | SCT | FWS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 6 | GANGETIC WEST BENGAL | SCT | FWS | WS | WS | WS | FWS | FWS |
| 7 | ODISHA | SCT | WS | WS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 8 | JHARKHAND | SCT | FWS | WS | WS | WS | WS | FWS |
| 9 | BIHAR | SCT | SCT | FWS | FWS | WS | WS | FWS |
| 10 | EAST UTTAR PRADESH | ISOL | SCT | SCT | SCT | SCT | SCT | ISOL |
| 11 | WEST UTTAR PRADESH | SCT | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 12 | UTTARAKHAND | SCT | ISOL | SCT | SCT | SCT | SCT | FWS |
| 13 | HARYANA, CHANDIGARH & DELHI | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | SCT | SCT |
| 14 | PUNJAB | DRY | DRY | DRY | DRY | ISOL | FWS | FWS |
| 15 | HIMACHAL PRADESH | DRY | DRY | DRY | DRY | ISOL | SCT | FWS |
| 16 | JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH | DRY | DRY | DRY | DRY | SCT | FWS | WS |
| 17 | WEST RAJASTHAN | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | SCT |
| 18 | EAST RAJASTHAN | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | SCT | SCT | SCT |
| 19 | WEST MADHYA PRADESH | ISOL | SCT | SCT | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 20 | EAST MADHYA PRADESH | SCT | SCT | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 21 | GUJRAT REGION | WS | WS | FWS | FWS | FWS | WS | WS |
| 22 | SAURASHTRA & KUTCH | WS | WS | WS | SCT | SCT | FWS | FWS |
| 23 | KONKAN & GOA | WS | WS | WS | WS | WS | FWS | FWS |
| 24 | MADHYA MAHARASHTRA | ISOL | ISOL | SCT | SCT | FWS | SCT | ISOL |
| 25 | MARATHWADA | ISOL | ISOL | SCT | FWS | FWS | SCT | ISOL |
| 26 | VIDARBHA | SCT | SCT | FWS | WS | WS | WS | FWS |
| 27 | CHHATTISGARH | FWS | WS | WS | WS | FWS | FWS | FWS |
| 28 | COASTAL ANDHRA PRADESH | SCT | FWS | WS | FWS | SCT | SCT | SCT |
| 29 | TELANGANA | SCT | SCT | SCT | SCT | FWS | FWS | FWS |
| 30 | RAYALASEEMA | SCT | SCT | SCT | SCT | ISOL | ISOL | ISOL |
| 31 | TAMILNADU & PUDUCHERRY | ISOL | ISOL | SCT | SCT | SCT | SCT | ISOL |
| 32 | COSTAL KARNATAKA | FWS | WS | WS | WS | WS | FWS | FWS |
| 33 | NORTH INTERIOR KARNATAKA | ISOL | SCT | FWS | FWS | WS | FWS | SCT |
| 34 | SOUTH INTERIOR KARNATAKA | ISOL | ISOL | SCT | FWS | FWS | FWS | SCT |
| 35 | KERALA AND MAHE | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 36 | LAKSHADWEEP | SCT | SCT | FWS | FWS | FWS | FWS | SCT |

• **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक IV

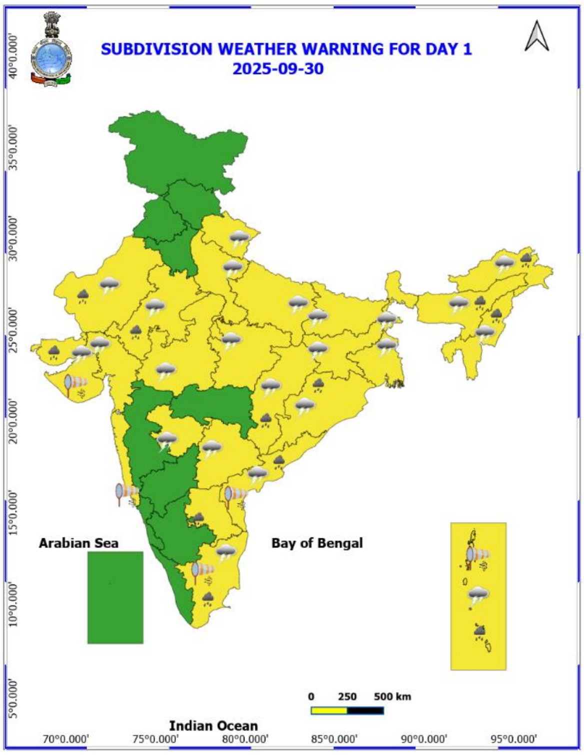
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-09-30
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'
5°0.000' 10°0.000' 15°0.000' 20°0.000' 25°0.000' 30°0.000' 35°0.000' 40°0.000'

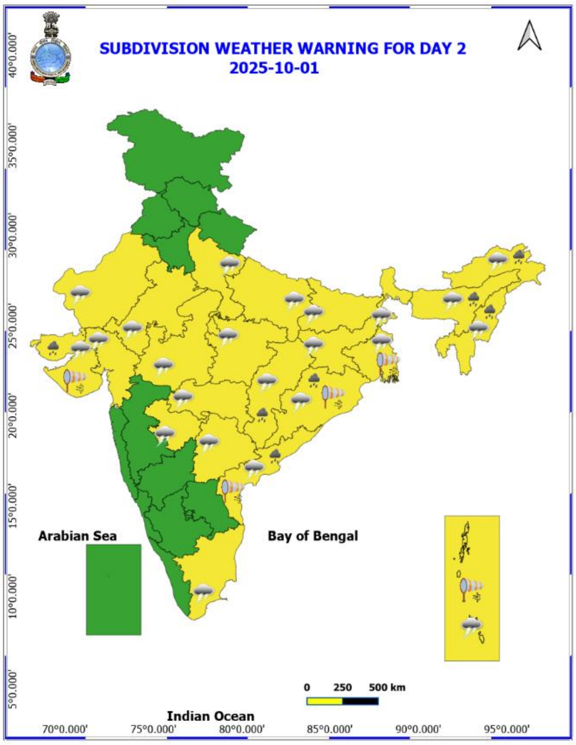
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-10-01
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'
5°0.000' 10°0.000' 15°0.000' 20°0.000' 25°0.000' 30°0.000' 35°0.000' 40°0.000'

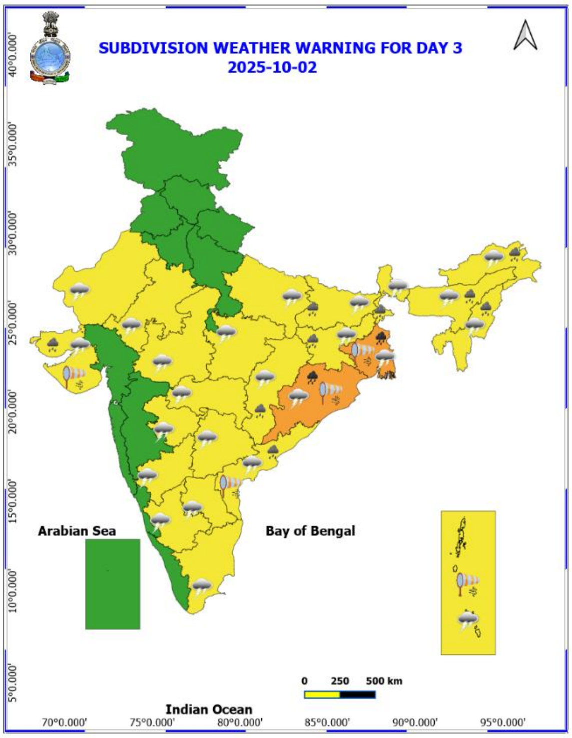
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-10-02
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'
5°0.000' 10°0.000' 15°0.000' 20°0.000' 25°0.000' 30°0.000' 35°0.000' 40°0.000'

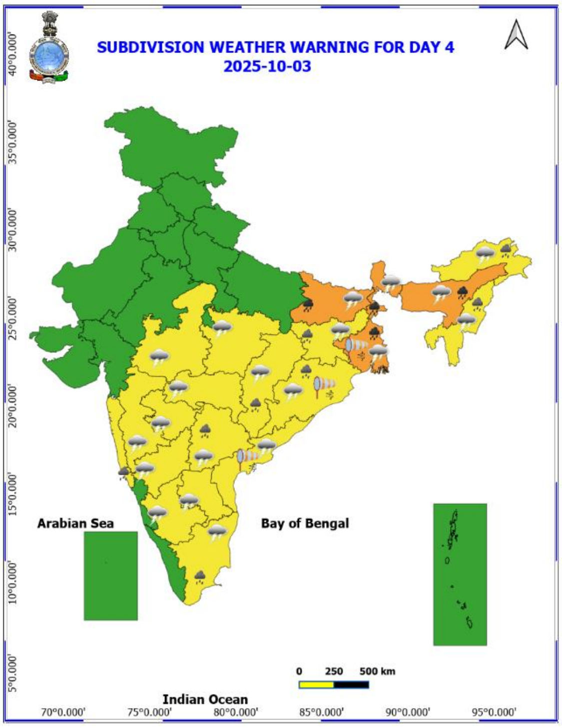


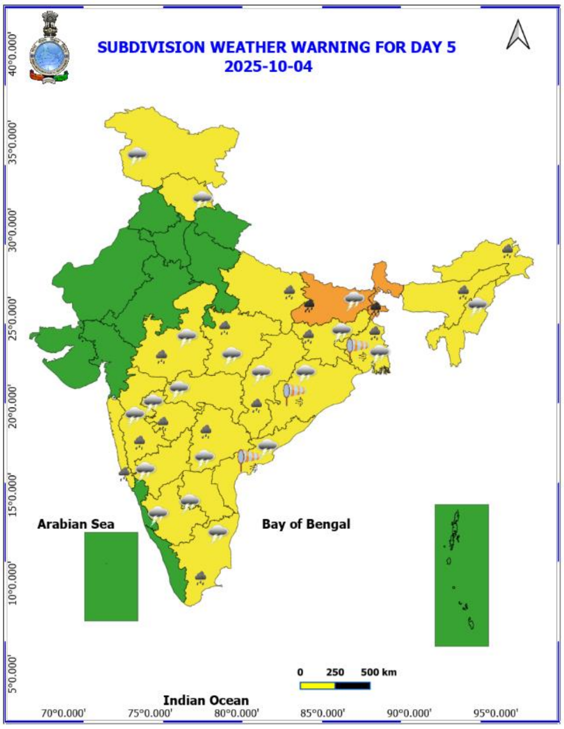


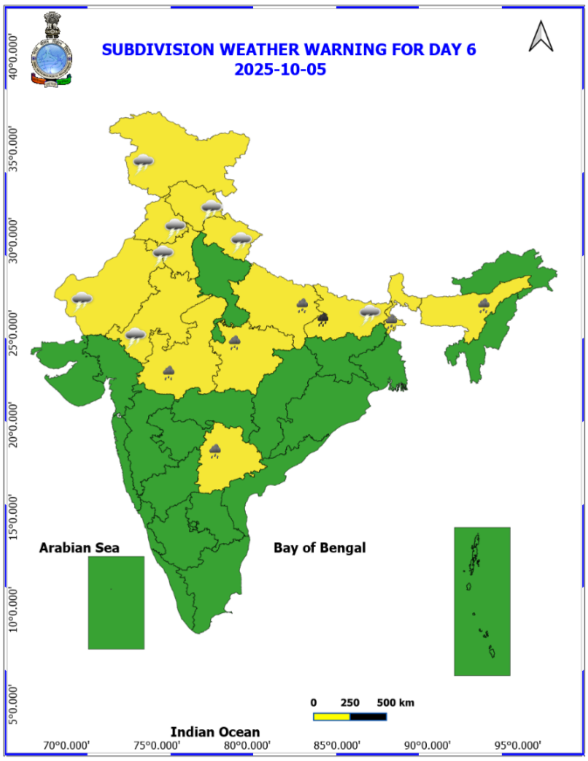


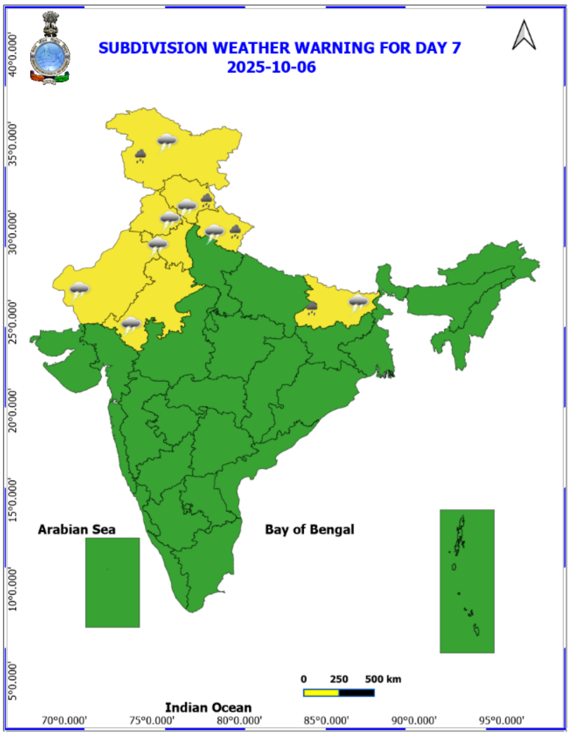


- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

**अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है**
**https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php**

**अनुलग्नक V**

**30 सितंबर से 3 अक्टूबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान**

**पिछला मौसम:** पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि और अधिकतम तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35 से 37 डिग्री सेल्सियस और 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस तक और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 14 किमी प्रति घंटे की गति से सतही हवाएँ चलीं। आज दोपहर तक इस क्षेत्र में दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम की गति से हवाएँ चलीं और आमतौर पर बादल छाए रहे।

**मौसम पूर्वानुमान:**

**30.09.2025:** आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। कई स्थानों पर एक या दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है, कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली और तेज़ हवाएँ (30-40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार) चल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

**01.10.2025:** आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह बहुत हल्की से हल्की बारिश/बूंदाबांदी हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी जिसकी गति 8-12 किमी प्रति घंटा तक होगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

**02.10.2025:** आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। एक या दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश/बूंदाबांदी हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी जिसकी गति 5-10 किमी प्रति घंटे तक होगी शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

**03.10.2025:** आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2oC तक और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2oC तक अधिक रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 05-10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

**बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:**

- 02 अक्टूबर को ओडिशा में; 02 और 03 अक्टूबर को गंगीय पश्चिम बंगाल; 03 और 04 अक्टूबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 03-05 अक्टूबर के दौरान बिहार और 03 अक्टूबर को असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

**अपेक्षित प्रभाव:**

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।

- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

**सुझाई गई कार्रवाई:**

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

**भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श**

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, इलायची की पकी हुई फसल की कटाई करें और नुकसान से बचाव हेतु उपज को उचित ढके हुए स्थान पर स्थानांतरित करें। धान, रागी, मूंग, अदरक और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें। गंगेय पश्चिम बंगाल में, धान पान के बागानों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- ओडिशा में, धान, रागी, मक्का, दालों, मूंगफली, कपास, तिल एवं सब्ज़ियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था बनाएं रखें। मिर्च, भिंडी और बैंगन जैसी सब्जियों की नर्सरी को प्लास्टिक कवर या पॉलीथीन शीट से ढकने की व्यवस्था करें।
- बिहार में, धान, मक्का और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- अरुणाचल प्रदेश में, कटाई की गई धान, मक्का, सब्ज़ियों, रागी की फसलों और केले के पके हुए गुच्छों को नुकसान से बचाव हेतु उपज को उचित ढके हुए स्थान पर स्थानांतरित करें।
- गुजरात के, सौराष्ट्र और कच्छ में, कपास, अरहर, मूंगफली, उड़द, मूंग, अरंडी, बाजरा, सोयाबीन, तिल और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें। मूंगफली, तिल, मक्का, बाजरा, सोयाबीन आदि फसलों की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

**पशुपालन / मत्स्य पालन**

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

**तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श**

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

## किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

## मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

# LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

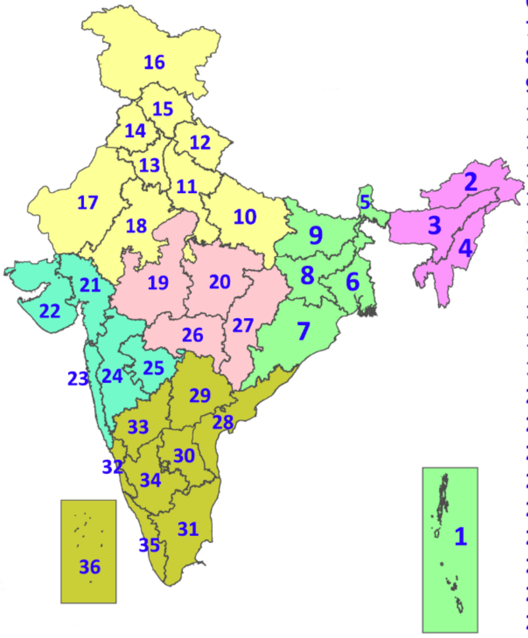


1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

| % Stations | Category | % Stations | Category |
|---|---|---|---|
| 76-100 | Widespread (WS/Most Places) | 26-50 | Scattered (SCT/A Few Places) |
| 51-75 | Fairly Widespread (FWS/Many Places) | 1-25 | Isolated (ISOL) |

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

### COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

### Probabilistic Forecast

| Terms | Probability of Occurrence (%) |
|---|---|
| Unlikely | < 25 |
| Likely | 25 - 50 |
| Very Likely | 50 - 75 |
| Most Likely | > 75 |

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)